हरिभूमि
# विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर



जबलपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026
login : www.haribhoomi.com

## खबर संक्षेप

### धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

**शहडोल।** जिले के जयसिंहनगर आर्या पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधान में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व, गुरु-शिष्य परंपरा एवं भारतीय संस्कृति पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। विद्यालय के संस्थापक ध्रुवसेन सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा और संस्कार भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों एवं समस्त विद्यालय परिवार द्वारा गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से विद्यालय के संचालक ध्रुवसेन सिंह चौहान, प्राचार्य सूरज अग्निहोत्री सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

### लापरवाही का कुआं: खेलते-खेलते बुझ गए दो चिराग, खोहरी गांव में पसरा मातम

**शहडोल।** जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र का खोहरी गांव बुधवार की शाम एक ऐसी दिल दहला देने वाली त्रासदी का गवाह बना, जिसने हर किसी की रूह कंपा दी। घर की बाड़ी में यमदूत बनकर खुले पड़े एक कुएं ने दो मासूम चचेरे भाई-बहन की सांसें छीन लीं। खेत में पसीना बहाकर लौट रहे माता-पिता को क्या मालूम था कि घर में उनका इंतजार नहीं, बल्कि उनके जिगर के टुकड़ों के शव कुएं के पानी में तैरती मिलेंगे। मृत बच्चों की पहचान तीन वर्षीय प्रयाग पिता गंभीर सिंह और चार वर्षीय सालवी पिता विश्वनाथ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, परिजन खेतों में धान की रोपाई करने गए हुए थे। घर पर मौजूद चाची जैसे ही खाना पकाने अंदर गईं, दोनों मासूम खेलते-खेलते बाड़ी में स्थित बिना मुंडेर/खुले कुएं की तरफ चले गए और हादसे का शिकार हो गए। शाम को जब थके-हारे परिजन घर लौटे और बच्चों को न पाकर तलाश शुरू की, तो कुएं का नजारा देखते ही उनकी चीख-पुकार से पूरा गांव दहल उठा।

**मासूमों की बलि ले रहे खुले कुएं!**

सूचना मिलते ही गोहपारू थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस भले ही इसे मर्ग कायम कर एक प्रारंभिक हादसा मानकर जांच कर रही हो, लेकिन यह घटना सीधे-सीधे हमारी लापरवाही पर करारा तमाचा है। गांवों में बिना ढके, बिना मुंडेर के खुले पड़े कुएं और बावड़ियां आखिर कब तक मासूमों की कब्रगाह बनते रहेंगे? आज खोहरी गांव का हर घर गमगीन है और हर आंख नम है, लेकिन सवाल वही बरकरार है कि इस बेवक्त बिछडन का जिम्मेदार कौन है।

### नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने गौवंशों को रौंदा

**शहडोल।** नेशनल हाईवे-43 पर रफ्तार का कहर अब बेजुबानों की बलि लेने लगा है। बुढ़ार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पंचवटी चौराहे के समीप एक दिल दहला देने वाली हिट एंड रन की वारदात सामने आई है, जहां रात के अंधेरे में एक बेकाबू अज्ञात काल-रूपी वाहन सडक पर बैठे मासूम गौवंशों को बेरहमी से कुचलता हुआ निकल गया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे में आधा दर्जन (6 से अधिक) गौवंशों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 4 से अधिक बेजुबान लहूलुहान होकर जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद चालक वाहन लेकर रफूचक्कर हो गया। पंचवटी चौराहे पर रोज की तरह सडक किनारे विश्राम कर रहे गौवंशों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। तेज रफ्तार वाहन के पहियों तले आकर बेजुबान असहाय होकर तड़पते रहे।

## वीआईपी कल्चर और अनधिकृत हूटर-फ्लैशर पर कसता शिकंजा

# कल से सड़क सुरक्षा-संस्कृति की नई शुरुआत

### 10 दिवसीय विशेष अभियान से कानून-व्यवस्था होगी सुदृढ़ आम नागरिकों ने पुलिस की जनहितैषी पहल की मुक्त कंठ से सराहना की सडक़ों को सुरक्षित और अनुशासित बनाने शहडोल पुलिस का महाअभियान

**शहडोल।** जिले की सडक़ों को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भयमुक्त बनाने की दिशा में शहडोल पुलिस ने एक अत्यंत सराहनीय एवं दूरगामी कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय, भोपाल से प्राप्त दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए शहडोल पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने 1 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक पूरे जिले में 10 दिवसीय विशेष प्रवर्तन (चेकिंग) अभियान संचालित करने का निर्णय लिया है। इस जनहितैषी अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति सम्मान बढ़ाना, सडक़ों पर पनपती वीआईपी संस्कृति पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा जिले में कानून और अनुशासन की भावना को और अधिक मजबूत करना है। पुलिस प्रशासन द्वारा शुरू किए जा रहे इस विशेष अभियान को लेकर पूरे जिले में भारी उत्साह है और आम जनता के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली के प्रति गहरा विश्वास देखा जा रहा है। स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारियों एवं युवाओं ने पुलिस के इस कदम का खुले दिल से स्वागत किया है। नागरिकों का कहना है कि सडक़ों पर चलने वाले हर आम और खास व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शहडोल पुलिस का यह निर्णय अत्यंत सामयिक और मील का पत्थर साबित होगा।

### इन प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित रहेगा चेकिंग अभियान

अभियान के दौरान जिले के समस्त थाना क्षेत्रों एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें शहर के प्रमुख मार्गों, व्यस्ततम चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर मुस्तैदी के साथ तैनात रहेंगी। चेकिंग के दौरान पुलिस मुख्य रूप से निजी वाहनों में अनाधिकृत रूप से लगाए गए हूटर एवं सायरन को मौके पर ही हटवाया जाएगा। नियमों के विपरीत गाडिय़ों में लगाई गई लाल, नीली, पीली या सफेद बत्तियों/फ्लैशर लाइटों पर सख्त कार्रवाई होगी। निजी गाडिय़ों पर गैर-कानूनी तरीके से म.प्र. शासन, भारत सरकार, पुलिस, प्रेस, न्यायालय अथवा व्हीआईपी जैसे पदसूचक स्टीकर या प्रतीक चिह्न लगाकर रौब गालने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। वाहनों के शीशों पर निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर लगाई गई ब्लैक फिल्म को हटाने के साथ चालानी कार्रवाई की जाएगी। उच्च सुरक्षा पंजीयन प्लेट न लगवाने वाले अथवा नियम विरुद्ध, फैंसी और अपठनीय नंबर प्लेट लगाकर घूमने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विधिक कदम उठाए जाएंगे।

### दंडात्मक कार्रवाई से पहले स्वयं सुधार का अवसर

शहडोल पुलिस ने हमेशा की तरह अपनी मित्र-पुलिस वाली संवेदनशीलता का परिचय दिया है। पुलिस प्रशासन ने दंडात्मक या चालानी कार्रवाई करने से पहले आमजन को स्वतः सुधार करने का पूरा अवसर दिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जिले के समस्त वाहन स्वामियों से एक भावुक और विनम्र अपील की गई है कि यदि उनके निजी वाहन में उपरोक्त में से कोई भी अनधिकृत उपकरण, हूटर, फ्लैशर, भ्रामक स्टीकर या अमानक नंबर प्लेट लगी हुई है, तो वे अभियान शुरू होने से पहले उसे स्वयं ही हटवा लें। पुलिस की इस पारदर्शी और सहयोगात्मक कार्यप्रणाली की सर्वत्र सराहना हो रही है, जिससे नागरिक खुद को पुलिस प्रशासन का सहयोगी मानकर नियमों का स्वतः पालन करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

### फर्जी रौब झाडने वालों पर कसेगी नकेल

स्थानीय निवासियों का कहना है कि शहर की सडक़ों पर अक्सर कुछ असमाजिक या अति-उत्साही तत्व निजी गाडिय़ों में हूटर बजाकर और फर्जी शासकीय स्टीकर लगाकर आम जनता पर रौब झाडऩे की कोशिश करते हैं। इससे न केवल आम नागरिकों को मानसिक परेशानी होती है, बल्कि आपातकालीन वाहनों (जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड) को भी रास्ता मिलने में बाधा आती है। शहडोल पुलिस के इस सख्त रुख से न सिर्फ फर्जी वीआईपी संस्कृति का अंत होगा, बल्कि सडक़ों पर दुर्घटनाओं में भी भारी कमी आएगी। पुलिस द्वारा मोटरयान अधिनियम, 1988 तथा अन्य प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के तहत की जा रही यह कार्रवाई पूरी तरह जनहित में है।

### शहडोल पुलिस आपके साथ

पुलिस प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं। यातायात नियमों का पालन करना किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने की नैतिक जिम्मेदारी है। शहडोल पुलिस की इस निष्पक्ष, दृढ और अनुशासित कार्यशैली से पूरे जिले में सुरक्षा का वातावरण निर्मित हो रहा है।

### नशा तरक्की का सबसे बड़ा रोड़ा: डॉ. अग्रवाल नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शहडोल में भव्य समापन

**शहडोल।** भविष्य की नई इबारत लिखने और युवाओं को सही राह दिखाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का समापन अत्यंत प्रेरणादायी माहौल में हुआ। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के अंतिम दिन पाण्डव नगर स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर सकारात्मक ऊर्जा और बुलंद नारों से गुंजायमान रहा।कार्यक्रम में पुलिस महकमे के उच्च अधिकारियों की गरिमामयी मौजूदगी ने छात्र-छात्राओं का उत्साह दोगुना कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस महानिरीक्षक (शहडोल रेंज) सुश्री एन. चैत्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, उप पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मोहन दुबे, एसडीओपी विकास पांडेय तथा उप पुलिस अधीक्षक (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति की प्रतिभा को निगल जाता है, बल्कि परिवार के सुख-चैन और राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य को भी तबाह कर देता है। हमारे देश की असली ताकत यहां के युवा हैं। यदि युवा अपने सपनों, संस्कारों और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राथमिकता देंगे, तो कोई भी बुराई उन्हें डिगा नहीं सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक सतर्क और व्यसनमुक्त युवा ही सशक्त भारत की असली नींव है।कार्यक्रम का सबसे प्रेरणास्पद क्षण वह रहा जब सैकड़ों विद्यार्थियों ने एक स्वर में नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज के हर वर्ग को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की गंभीर शपथ ली। इसके उपरांत मंच पर मौजूद अतिथियों सहित सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर बोर्ड पर अपने-अपने संकल्प अंकित किए। देखते ही देखते पूरा सिग्नेचर बोर्ड नशामुक्ति के वादों और प्रतिबद्धताओं से भर गया, जिसने जन-भागीदारी और सामूहिक प्रयास का एक अद्भुत संदेश दिया। शहडोल पुलिस की इस अनूठी पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। आइए, हम सभी इस सकारात्मक मुहिम से जुड़ें और एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

## स्वास्थ्य व्यवस्था या भगवान भरोसे जैतपुर का यह शोकेस

# करोड़ों का महल, इलाज में शून्य

### बिच्छू के डंक से तड़पती रही लाचार महिला परिजनों के गिड़गिड़ाने और फोन घुमाने के बाद जागी सुस्त व्यवस्था

**शहडोल।** आदिवासी बहुल शहडोल जिला इन दिनों स्वास्थ्य सुविधाओं के ऐसे हाई-टेक मॉडल का गवाह बन रहा है, जहां करोड़ों रुपये की चमचमाती इमारतें तो खड़ी कर दी गई हैं, लेकिन अंदर न नब्ज टटोलने वाला डॉक्टर है और न मरहम लगाने वाला अमला। मामला सीधे-सीधे सूबे के उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिले के माननीय प्रभारी मंत्री के प्रभार वाले इलाके का है, इसलिए जरा ध्यान से समझिए कि विकास का यह ढोल अंदर से कितना पोला है। ताजा बानगी जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के डोगरी टोला की है। जहाँ ललिता शाहू नामक एक महिला को जहरीले बिच्छू ने काट लिया। जहर के तीखे दर्द से छटपटाती महिला को उसके रिश्तेदार राकेश शाहू किसी तरह जान जोखिम में डालकर, कई किलोमीटर तक बाइक पर बैठाकर भागते-भागते जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। परिजनों को लगा था कि सरकारी दरबार में पहुंचते ही तुरंत राहत मिलेगी, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही जो नजारा दिखा, उसने व्यवस्था के तमाम दावों की धज्जियां उड़ा दीं।

### इमारत आलीशान, अंदर सन्नाटा ही डॉक्टर है!

करोड़ों की लागत से बनी इस भव्य इमारत में इलाज के नाम पर सिर्फ खाली गलियारे और बंद दरवाजे परिजनों का स्वागत कर रहे थे। तड़पती हुई मरीज घंटों परिसर में पड़ी रही, लेकिन पूरे अस्पताल में न तो कोई जिम्मेदार डॉक्टर नजर आया और न ही कोई ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी। दर्द से कराहती महिला के परिजन जब थक-हार गए, तब उन्होंने अपनी जेब से मोबाइल निकाला और अस्पताल के कर्मचारियों को कॉल पर कॉल करना शुरू किया। काफी मशक्कत, गुहार और फोन घुमाने के ड्रामे के बाद आखिरकार एक स्टाफ नर्स की कृपा हुई और वे अस्पताल पधारीं, तब जाकर बेचारी महिला का प्राथमिक उपचार शुरू हो सका।

### वीडियो वायरल होते ही उड़े दावों के चीथड़े

परिजनों ने इस पूरी प्रशासनिक मुस्तैदी और सहानुभूति को अपने कैमरे में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। वायरल वीडियो पूछ रहा है कि जब दूर-दराज के इलाकों में समय पर एक पेनकिलर या एंटी-वेनम इंजेक्शन देने वाला कोई नहीं होगा, तो फिर इन करोड़ों के कंक्रीट के ढांचों का आम जनता क्या करे, क्या इन आलीशान इमारतों का उद्घाटन सिर्फ फीता काटने और वाहवाही लूटने के लिए किया गया है?

यह घटना सिर्फ जैतपुर अस्पताल की एक दिन की लापरवाही नहीं है, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में दम तोड़ती स्वास्थ्य सेवाओं का कड़वा सच है। एक तरफ बड़े-बड़े मंचों से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कसीदे पढ़े जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत यह है कि बिच्छू का डंक हो या कोई गंभीर इमरजेंसी मरीज को डॉक्टर के लिए नहीं, बल्कि डॉक्टर को मरीज के रिश्तेदारों की कॉल डिटेल पर निर्भर रहना पड़ता है।

### इनका कहना है...

जब महिला इलाज के लिए गई थी, स्टाफ था, लेकिन लंच होने के कारण डाक्टर नहीं थे, महिला का तत्काल इलाज कराया गया है, इलाज के लिए जाते ही उनके साथ मौजूद शख्स वीडियो बनाने लगे थे।

**डॉ. सचिन कारखुर**
**बीएमओ, बुढ़ार**

# विश्वविद्यालय में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरुपूर्णिमा महोत्सव

**शहडोल।** पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में कुलगुरु प्रो. रामशंकर के निर्देशन में श्रद्धा, आस्था एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुजनों का सम्मान किया गया तथा विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय, कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी, प्रो. प्रवीण शर्मा, डॉ. हरबंस लाल मरावी, डॉ. जी. एस. सर सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल ज्ञान का संचार ही नहीं करता, बल्कि वह व्यक्ति के जीवन को दिशा, दृष्टि और संस्कार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी यदि गुरु के प्रति श्रद्धा, अनुशासन और समर्पण का भाव रखें तो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। गुरु शरीर नहीं तत्व है जो संपूर्ण सृष्टि में व्याप्त है और शिष्य की दृष्टि बदलकर उनके अंदर ब्रह्मा विष्णु और महेश का कार्य करता है ।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरुपूर्णिमा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। गुरु का मार्गदर्शन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी जीवन में अपनाने का आग्रह किया। कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी ने कहा कि गुरु का सम्मान भारतीय सभ्यता की पहचान है। शिक्षा तभी सार्थक होती है जब उसमें संस्कार, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश हो। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करने की प्रेरणा दी। प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा कि गुरु वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को प्रकाशित करता है। गुरु का सान्निध्य व्यक्ति को अज्ञान से ज्ञान और निराशा से आशा की ओर ले जाता है। डॉ. हरबंस लाल मरावी ने गुरु-शिष्य परंपरा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल आधार गुरु ही हैं, जिनके मार्गदर्शन से समाज में ज्ञान, संस्कृति और नैतिकता का संरक्षण होता है।कार्यक्रम का समापन गुरु वंदना, आभार प्रदर्शन एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। गुरुपूर्णिमा महोत्सव ने विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा एवं गुरु के प्रति श्रद्धा का प्रेरणादायी वातावरण निर्मित रहा कार्यक्रम में डॉ. उमा सिंह, डॉ. मौसमी कर, डॉ. मनीषा शुक्ला, डॉ प्रीति पाण्डेय, अनुराग पाण्डेय, श्रीमती सौम्या सिंह और डॉ. दिलीप तिवारी ने अपनी गरिमामयी उपस्थित दी।

# मां काली मंदिर सिंहपुर का बना लोक न्यास सर्वसम्मति से गठित हुई पहली कार्यसमिति

**शहडोल।** अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने मां काली मंदिर सिंहपुर एवं मंदिर परिसर को मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 के अंतर्गत विधिवत लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किए जाने के बाद ट्रस्ट की प्रथम कार्यसमिति का गठन किया है। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पंजीयक लोक न्यास सोहागपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार सदस्यता प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आयोजित प्रथम सामान्य सभा में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसके साथ ही मंदिर के प्रशासन आय-व्यय और विकास कार्यों को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्रथम कार्यसमिति में सर्वसम्मति से सभी पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें अध्यक्ष शिवनारायण द्विवेदी पिता रामनारायण द्विवेदी निवासी सिंहपुर उपाध्यक्ष मनीष शुक्ला पिता स्वर्गीय रामचन्द्र शुक्ला ग्राम नरगी सह सचिव श्रवण श्रीवास्तव पिता स्व. राजेश कुमार श्रीवास्तव निवासी सिंहपुर, सह कोषाध्यक्ष दीपेश तिवारी पिता जगदीश प्रसाद तिवारी निवासी सिंहपुर, एवं स्थायी सदस्य जगदीश प्रसाद तिवारी पिता स्व. रोहणी प्रसाद तिवारी निवासी सिंहपुर को बनाया गया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि मां काली मंदिर लोक न्यास से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तहसीलदार सोहागपुर एवं नायब तहसीलदार सिंहपुर के सहयोग से सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि मंदिर का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके।

पंजीयक लोक न्यास ने आदेश में यह भी निर्देशित किया है कि मां काली मंदिर लोक न्यास के नाम से अविलंब बैंक खाता खोला जाए तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और वित्तीय पारदर्शिता के लिए क्यूआर स्कैनर भी स्थापित किया जाए। मंदिर की समस्त आय.व्यय की गतिविधियां ऑनलाइन बैंक खाते के माध्यम से संचालित की जाएंगी, जिससे आर्थिक लेन-देन का व्यवस्थित रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

## खबर संक्षेप

### स्टैडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

**उमरिया।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में स्टैडिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा ने बताया कि नगरीय निकायों में अंतिम प्रकाशन की स्थिति में कुल मतदाताओं की संख्या 78256 है जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 39717 एवं महिला मतदाताओ की संख्या 38536 तथा अन्य मतदाताओ की संख्या 3 है। इसी तरह जनपद पंचायतो में अंतिम प्रकाशन की स्थिति में कुल मतदाताओ की संख्या 390183 है जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 201616 एवं महिला मतदाताओ की संख्या 188567 है। बैठक में एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रिया अग्रवाल निर्वाचन पर्यवेक्षक हरिशंकर झारिया, मान्यता प्राप्तं राजनैतिक दलो से धनुषधारी सिंह, शिशुपाल यादव, प्रदीप रजक, नीरज यादव उपस्थित रहे।

### जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आज

**उमरिया।** स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में 31 जुलाई को दोपहर 1 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

### गुरू पूर्णिमा महोत्स व पर गुरूजनों का किया गया सम्मान

**उमरिया।** मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य में गुरू पूर्णिमा महोत्सव पर गुरूजनों के सम्मान एवं नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षको को नियुक्ति पत्र के वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिले के समस्त शासकीय व अशासकीय विद्यालयो एवं जिला स्तर का कार्यक्रम शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल करकेली मे मनाया गया। कार्यक्रम मे विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वखती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं चरणो मे दीप प्रज्जवलन कर किया गया।
कार्यक्रम मे नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षको को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये एवं विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, गुरूजनों का स्वागत, छात्र-शिक्षक संवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत दी गई। कार्यक्रम मे उमेश कुमार धुर्वे, संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण शहडोल, संभाग शहडोल, भूपेन्द्र सिंह बडक्रे, जिला शिक्षा अधिकारी, आर.एस. मरावी जिला परियोजना समन्ववयक, सर्व शिक्षा अभियान, बी.एस. मरावी, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, संतोष भट्ट एवं विनीत कुमार के.व्ही., सहायक परियोजना समन्वयक, लक्ष्मीकांत महोबिया, प्राचार्य, एवं शासकीय सांदीपिनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समस्तय शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## अखड़ार में भरभराकर गिरा प्लास्टर, मासूम गंभीर

# शिक्षा के मंदिर में हादसों की छत

**महज 5 साल में जर्जर हुई सरकारी स्कूल की नई इमारत**

### प्राचार्य रचते रहे लीपापोती का षड्यंत्र

### भ्रष्टाचार की नींव पर टिकी व्यवस्था में छात्र लवकुश अस्पताल में, साहब बेखबर

**उमरिया। जिले के सुदूर ग्रामीण अंचल अखड़ार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा के नाम पर चल रहे भ्रष्टाचार और प्रशासनिक बेपरवाही का खौफनाक मंजर सामने आया। 12वीं की कक्षा में पढ़ाई के दौरान अचानक छत का लगभग 05 फीट से बड़ा प्लास्टर का हिस्सा सीधे छात्रों पर आ गिरा। इस हादसे में दो से तीन मासूम छात्र लहूलुहान हो गए, जिनमें से लवकुश गुप्ता नामक छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। छात्र के सिर, कंधे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर फैक्चर आए हैं। कक्षा में बिखरे पत्थरों के बड़े-बड़े मलबे निर्माण की घटिया गुणवत्ता बयां कर रहे हैं, लेकिन स्कूल के जिम्मेदार प्राचार्य महोदय हादसे की खबर दबाने में लगे रहे।**

### हादसे से ज्यादा घटिया प्राचार्य का मैनेजमेंट

घटना के तुरंत बाद जहां घायलों को बेहतर चिकित्सा और अधिकारियों को सूचना दी जानी चाहिए थी, वहीं प्राचार्य का पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर रहा कि खबर साहबों तक न पहुंचे। घायलों का चुपचाप इलाज कराने का स्वांग रचा गया और परिजनों को इलाज का जिम्मा उठाने का झांसा देकर उनका मुंह बंद रखने की पुरजोर कोशिश की गई। इतना बड़ा हादसा हो गया, एक छात्र अस्पताल में जिंदगी और दर्द से जूझ रहा है, मगर जिला मुख्यालय पर बैठे जिला शिक्षा अधिकारी साहब को कानों-कान खबर तक नहीं हुई, जब मामला सार्वजनिक हुआ, तो साहब फरमा रहे हैं कि यह प्राचार्य की चूक है, जांच कराएंगे। वाह साहब वाह! किसी बच्चे की जान पर बन आए, तो वह महज एक चूक बन जाती है?

### 5 साल पहले बना भ्रष्टाचार का किला

यह हादसा सिर्फ प्राचार्य की कारस्तानी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन ठेकेदारों और इंजीनियरों के मुंह पर भी करारा तमाचा है, जिन्होंने महज 5 साल पहले इस नई नवेली इमारत का निर्माण किया था। 05 वर्ष के भीतर ही छत का 05 फीट का हिस्सा ढह जाना साफ इशारा करता है कि स्कूल की नींव में सीमेंट-रेत कम और कमीशनखोरी का मसाला ज्यादा मिलाया गया था। आज आलम यह है कि बच्चे पढ़ाई करने नहीं, बल्कि मौत के साए में किस्मत आजमाने स्कूल जा रहे हैं। हादसे के बाद आनन-फानन में कक्षा तो दूसरे कमरे में शिफ्ट कर दी गई, लेकिन सवाल वहीं खड़ा है कि क्या बाकी कमरों की छतें बच्चों की बलि लेने का इंतजार कर रही हैं?

### जांच का नाटक या भ्रष्टाचारियों पर गाज

घायल छात्र के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हैं। सवाल उठना लाजमी है कि क्या सरकारी खजाने से बनने वाली इमारतों की कोई गारंटी नहीं होती? क्या नौनिहालों की सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित है? स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मामले पर पर्दा डालने वाले लीपापोती विशेषज्ञ प्राचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदार तथा उसकी सांठगांठ करने वाले अफसरों पर आपराधिक मामला दर्ज हो। यदि केवल जांच-जांच का रटा-रटाया खेल खेला गया, तो जल्द ही पूरा क्षेत्र सडक़ों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन के लिए मजबूर होगा।

# अयोध्या-वाराणसी स्पेशल ट्रेन आज रवाना होगी

**उमरिया।** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत अयोध्या वाराणासी के लिए स्पेशन ट्रेन 31 जुलाई को रात्रि 8.25 बजे रवाना होगी। डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज ने बताया कि तीर्थ यात्रा हेतु चयनित 262 यात्रियों के आगमन एवं प्रस्थान तक के लिए अधिकारियों की ड्युटी लगाई गई है। जनपद पंचायत मानपुर, नगर परिषद मानपुर के लिए तहसीलदार मानपुर, सीईओ मानपुर, उपयंत्री, नगर पालिका, परिषद पाली , नौरोजाबाद हेतु तहसीलदार पाली, सीईओ पाली, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पाली, जनपद पंचायत करकेली, तहसील करकेली के हेतु सीईओ जनपद पंचायत करकेली, ए डी ई ओ जनपद पंचायत करकेली, तहसील बांधवगढ, नगर पालिका , परिषद उमरिया, चंदिया हेतु नायब तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, उपयंत्री की ड्युटी लगाई गई है। अधिकारी गण अपने क्षेत्र अंतर्गत चयनित तीर्थ यात्रियों को ट्रेन रवाना होने के तीन घंटे पूर्व रेलवे स्टेशन पर तीर्थ यात्रियों को उपस्थित कराते हुए जानकारी समय समय पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अभय सिंह को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे। इसी तरह जनपद पंचायत मानपुर, नगर परिषद मानपुर की टिकट वितरण हेतु अनंत लकडा सहायक वर्ग -03, कन्हैया उइके सहायक वर्ग -02, जनपद पंचायत करकेली की टिकट वितरण हेतु शिवराम त्रिपाठी सहायक वर्ग -03, मुन्नी लाल कोल खंड पंचायत अधिकारी, नगर पालिका , परिषद उमरिया, चंदिया की टिकट वितरण हेतु अखिलेश सिंह कम्प्यूटर आपरेटर नपा, राकेश मिश्रा सहायक वर्ग -02, जनपद पंचायत पाली, नगर पालिका परिषद पाली की टिकट वितरण के लिए राजेश दर्शिमा सहायक वर्ग -02, संदीप सिंह गहरवार ग्रेड 02, नगर पालिका नौरोजाबाद की टिकट वितरण के लिए रवि वर्मा सहायक वर्ग 02 , दादूराम सहायक वर्ग 02 की ड्युटी लगाई गई है। कर्मचारियों से कहा गया है कि को रेल्वे स्टेशन उमरिया में उपस्थित होकर टिकट वितरण का कार्य संपादित करें।

# विश्व बाघ दिवस पर रक्तदान शिविर संपन्न, 29 यूनिट रक्त संग्रहित

**उमरिया।** विश्व बाघ दिवस के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, ताला में पर्यावरण संरक्षण एवं मानव सेवा का संदेश देते हुए विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 32 रक्तदाताओं का पंजीयन किया गया, जिनमें से 29 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय, जिला चिकित्सालय उमरिया के ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, वीरेंद्र शर्मा, विनीत साहू, प्रेमप्रकाश यादव, राजकुमार यादव सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर सिविल सर्जन डॉ. के. सी. सोनी के निर्देशन में जिला रक्त केंद्र, उमरिया की टीम द्वारा आयोजित किया गया। शिविर का संचालन एवं समन्वय ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया।रक्तदान उपरांत सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके इस मानवीय योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी भी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान के समान है। साथ ही भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की गई। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर आयोजित इस रक्तदान शिविर में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ.अनुपम सहाय ने स्वयं रक्तदान किया एवं वन्यजीव संरक्षण के संदेश के साथ-साथ मानव सेवा की भावना को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक प्रेरणादायक संदेश समाज तक पहुंचा ।

# छह माह से सड़क के बीच खुला गड्ढा, बना हादसों की आशंका, राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

**कोतमा।** मॉडल स्कूल के सामने मुख्य सड़क पर पाइपलाइन विस्तार कार्य के लिए लगभग छह माह पूर्व खोदा गया गड्ढा आज भी यथावत बना हुआ है। बरसात के मौसम में गड्ढा और अधिक गहरा एवं चौड़ा हो जाने से इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों के सामने परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। शुक्ला ढाबा से कोतमा शहर को जोड़ने वाले इस प्रमुख मार्ग पर पाइपलाइन विस्तार का कार्य पूरा होने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं हो सकी। इसके चलते सड़क के बीच बना लंबा गड्ढा आवागमन में बाधा बन गया है। बारिश के दौरान गड्ढे में पानी भर जाने से इसकी गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, आम नागरिक और वाहन चालक गुजरते हैं। कई बार वाहन गड्ढे में फंस जाते हैं या असंतुलित हो जाते हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो भविष्य में कोई अप्रिय घटना हो सकती है। स्थानीय लोगों ने संबंधित प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क की शीघ्र मरम्मत कर गड्ढे को भरवाया जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके।

# गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान, मेधावी शिक्षकों और विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

**बदरा/जमुना।** शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमुना कॉलरी में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, सम्मान और भारतीय संस्कृति की गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अवधराज सिंह सोलंकी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों का तिलक लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचार्य अवधराज सिंह सोलंकी ने कहा कि गुरु जीवन का वह प्रकाश है, जो ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन और समर्पण की भावना बनाए रखने का आहवान किया विद्यालय में आयोजित समारोह के दौरान वर्ष 2026 की वार्षिक परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का भी विशेष सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में सुचिता शर्मा, अमित कुमार राहा, रनेश पड़वार, संगीता राव, जमुना प्रसाद सोनी, महेंद्रदास चौधरी, अतिथि शिक्षक राघवेंद्र तिवारी, श्वेता आदित्य, रिंकू पटेल एवं सोम लोधी शामिल रहे। सभी शिक्षकों को श्रीफल, पेन एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय में 16 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पर्व के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता राव एवं रनेश पड़वार ने किया। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से जीवन में गुरु के मार्गदर्शन का सम्मान करने और शिक्षा के साथ संस्कारों को भी अपनाने का संदेश दिया। यह आयोजन विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास की दिशा में प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

# कोयला कर्मचारियों के लिए पीएफ नियमों में बदलाव

**राजनगर।** कोल इंडिया में कार्यरत कोल कर्मियों के लिए केंद्र सरकार ने भविष्य निधि से जुड़े कानून के उल्लंघन पर कार्रवाई की प्रक्रिया को लेकर नया नियम बनाया है। कोयला मंत्रालय ने कोल माइंस प्रोविडेंट फंड एंड मिसलेनियस प्रोविजंस 2026 का ड्राफ्ट जारी किया है। जिस पर लोगों से आपत्ति और सुझाव मांगा गया है। इन नियमों के माध्यम से पहली बार यह स्पष्ट किया गया है कि कानून के उल्लंघन के मामलों की जांच कैसे होगी। जुर्माना किस प्रक्रिया से लगाया जायेगा। संबंधित व्यक्ति या कंपनी को अपील करने का क्या अधिकार होगा। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार यह नियम कोल माइंस प्रोविडेंट फंड एंड मिसलेनियस प्रोविजंस एक्ट-1948 के तहत दंड निर्धारण और अपील की प्रक्रिया को लागू करेंगे। नियमों के लागू होने के बाद प्रत्येक मामले में तय प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होगा। ड्राफ्ट में कहा गया है कि यदि एडजुडिकेटिंग ऑफिसर को यह विश्वास होता है कि किसी कंपनी, नियोक्ता, ठेकेदार या अन्य संबंधित व्यक्ति ने अधिनियम अथवा उसके तहत बनाई गई किसी योजना का उल्लंघन किया है तो वह स्वतः संज्ञान या शिकायत, निरीक्षण रिपोर्ट, अनुपालन रिपोर्ट अथवा अन्य रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर सकता है। जांच के दौरान संबंधित अभिलेख, रजिस्टर, रिटर्न, दस्तावेज और स्पष्टीकरण मांगे जा सकेंगे। ड्राफ्ट नियमों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को महत्व दिया गया है। यदि प्रथम दृष्टया मामला बनता है तो संबंधित व्यक्ति को फॉर्म-1 में नोटिस जारी किया जायेगा। नोटिस में उल्लंघन का विवरण, संबंधित कानूनी प्रावधान, मांगे गए दस्तावेज तथा जवाब देने की समय-सीमा का उल्लेख होगा। जवाब देने के लिए सामान्यतः 15 से 30 दिन का समय दिया जाएगा। संबंधित व्यक्ति स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से अपना पक्ष रख सकेगा। सुनवाई फिजिकल या डिजिटल माध्यम से भी कराई जा सकेगी। यदि नोटिस मिलने के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया जाता या सुनवाई में उपस्थित नहीं होता, तो एडजुडिकेटिंग ऑफिसर एकपक्षीय निर्णय भी ले सकता है। ड्राफ्ट नियमों में पहली बार यह भी स्पष्ट किया गया है कि जुर्माना तय करते समय किन-किन बातों पर विचार किया जायेगा। इनमें उल्लंघन की गंभीरता और अवधि का भी ख्याल रखा जायेगा। प्रभावित कर्मचारियों या पेंशनभोगियों की संख्या के आधार पर जुर्माना तय होगा। यह भी देखा जायेगा कि संस्था पहले भी ऐसा उल्लंघन किया है कि नहीं। उल्लंघन से प्राप्त अनुचित लाभ, सार्वजनिक हित या फंड को हुई क्षति, जानबूझकर की गई गलती तथा जांच में सहयोग जैसे पहलू का भी ख्याल रखा जायेगा।

# राजनगर मंडल में गुरु रविदास के 650 वें जयंती वर्ष संकल्प अभियान का आयोजन

### नवनियुक्त पार्षद, मंडल मोर्चा अध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि का हुआ सम्मान

**राजनगर।** नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में रविवार को राजीव गांधी भवन में संत रविदास जी के 650 वे जयंती के अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, डॉ. मदन त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष, बृजमोहन सिंह गहरवार, सुरेश गौतम, अमृतलाल केवट, डॉ सुनील कुमार चौरसिया, यशवंत सिंह ने सर्वप्रथम रविदास जी के चित्र पर अतिथियों द्वारा प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। रविदास जी के जयंती के अवसर पर कार्यक्रम में पधारे प्रमुख वक्ताओं में डॉ. सुनील कुमार चौरसिया, वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, सुरेश गौतम पूर्व, मंडल अध्यक्ष, ने उद्बोधन में बताया कि, समरसता व सद्भाव के प्रति संत श्री रविदास जी ने अपने विचारों पर रचनाओं से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत कर मानव जाति के कल्याण का मार्ग दिखाया। उन्होंने प्रेम, भाईचारे, समानता, और सद्भाव का संदेश देते हुए मानव मात्र को एक समान मानने की प्रेरणा दी। उनकी वाणी में आज भी समाज को एकता और सामाजिक समरसता का मार्ग

दिखाती है। वक्ताओं ने कहा कि, संत रविदास जी की आदर्श और शिक्षाएं वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है उनके बताएं मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, शांति, समानता ,और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। जाति जाति में जाति है, जो केतन के पात। रैदास मनुष ना जुड़ सके जब तक जाति न जात। नगर परिषद बनगवां तथा डूमरकछार के मनोनीत पार्षद (एल्डरमैन) बनगवां ( राजनगर) से देवनाथ त्रिपाठी, महेश जेठानी, रोहित यादव, श्रीमती सुनीता सिंह तथा डूमरकछार से श्रीमती ममता पात्रो, पंचम पाव, एवं नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के (सांसद प्रतिनिधि) मनोज सिंह, राजनगर मंडल के अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष तथा किसान मोर्चा अध्यक्ष, गोपाल चौधरी, मूलचंद गुप्ता को कार्यक्रम में सभी अतिथियों तथा वरिष्ठ नेताओ कि गरिमामयी उपस्थिति में शाल, श्रीफल देकर तथा माला पहनाकर सभी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच का सफल संचालन अरविंद सिंह परिहार के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम समापन में सुनील गुप्ता के द्वारा आभार प्रकट किया गया और कार्यक्रम को समापन किया गया। इस प्रमुख रूप से सच्चिदानंद सिंह, उपाध्यक्ष अरविंद सिंह परिहार, सुनील गुप्ता, गिरिजा विश्वकर्मा, सचिन द्विवेदी महामंत्री, नारायण साहू मंत्री, राजकुमार सिंह, हरिलाल साकेत, सोनू कनौजिया मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा, डॉ. महेश चौहान, समय पटेल, नारायण साहू, संजय वर्मा, चंदा देवी, पूजा केवट, वरिष्ठ पत्रकार समर बहादुर सिंह, अजीत श्रीवास्तव, संजय वर्मा, भीम जायसवाल, जीवन लाल केवट, सभी बूथ मंत्री, बीएलए 2 एवं, भाजपा के कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

## खबर संक्षेप

### जुगियाकाप में नशा मुक्ति के लिये किया जागरूक

**कटनी।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड कटनी के सेक्टर क्रमांक 03 कन्हवारा की नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी द्वारा तेजसिंह केशवाल के निर्देशानुसार एवं विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्रा के मार्गदर्शन में आदर्श ग्राम मड़ई के ग्राम जुगियाकाप में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बारडोली वेलफेयर सोसायटी के सेक्टर प्रभारी गनपत लाल द्वारा ग्रामीणों को समझाया गया कि नशे से दूर रहना क्यों जरूरी है इससे शारीरिक मानसिक व आर्थिक नुकसान ही होता है। तत्पश्चात नशा मुक्ति के नारों के साथ रैली का आयोजन किया और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई । इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष आर एल चौधरी, सचिव माया गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार चौधरी, लक्ष्मी सिंह रघुवंशी, राजेश चौधरी, काशी विश्वकर्मा परामर्शदाता रामानुज पांडेय सहित समस्त सदस्यों और ग्रामीणों की सराहनीय भागीदारी रही।

### कीर्तिस्तंभ से निकाली गई श्रीजी की शोभायात्रा

**कटनी।** श्री 1008 नंदीश्वर विधान के समापन अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ के पश्चात श्रीजी की भव्य शोभायात्रा महावीर कीर्तिस्तंभ से प्रारंभ होकर जवाहर चौक,कपड़ा बाजार,सुभाष चौक, मेन रोड़ जयदयाल रोड़, साधूराम हाईस्कूल के सामने से होते हुये सिंघई जी के मंदिर में पहुंची जहां पर श्रीजी का महामस्तकाभिषेक पूरी श्रद्धा भक्तिके साथ श्रद्धालुओं द्वारा किया गया धर्मप्रभावना हेतु निकाली गई शोभायात्रा में डी.जी. पर नृत्य कर रही महिलाये दो पालकी पर सवार श्रीजी, एवं पंचायत अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष पंचम जैन, प्रमोद जैन कक्का पं.शैलेन्द्र जैन, विजय कुमार विश्व, अनिल जैन, गढ़ाकोटा, शांति सिंघई, सतेन्द्र जैन, धन्यकुमार सत्कार, आकेत जैन, सतीश जैन, शरद जैन पाटन, अनिल सिंघई,योगेश जैन, पदम जैन लहर, अनूप सिंघई, जितेन्द्र जैन, मनोज जैन, आलोक जैन, स्पप्निल जैन,के साथ बड़ी संख्या मे श्रद्धालुजनों ने शामिल होकर पुण्य लाभ लिया।

### बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन नामांकन आज तक

**कटनी।** भारत सरकार द्वारा बच्चों की विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने तथा देश के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के अंतर्गत बच्चों को साहस, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होना आवश्यक है। 31 जुलाई तक ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं।

### स्वतंत्रता दिवस समारोह की रूपरेखा बनाने 3 अगस्त को होगी बैठक

**कटनी।** आगामी 15 अगस्त को जिले में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह कार्यक्रम को सफल एवं सुचारू रूप से मनाये जाने हेतु कार्यक्रम की रूपरेखा व व्यवस्थाओं की तैयारी हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार, 3 अगस्त को टीएल बैठक के पश्चात कलेक्ट्रेट के नवीन सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है।

# गुरु-शिष्य परंपरा की भव्य झलकः सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव






**ब्योहारी।** भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा एवं नैतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल, ब्योहारी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं आगंतुकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।
इस अवसर पर विद्यालय परिसर को विशेष रूप से गुरु-थीम आधारित कलात्मक स्टैंडी, सेल्फी फ्रेम, प्रेरणादायी सुविचार एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित आकर्षक डिस्प्ले से सजाया गया। इन रचनात्मक प्रदर्शनों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया तथा विद्यार्थियों में गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना जागृत करने का संदेश दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का तिलक कर, पुष्पवर्षा एवं चरण-वंदन के माध्यम से उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा गुरु महिमा पर आधारित प्रेरणादायी भाषण, काव्य-पाठ, भजन, समूहगान, सांस्कृतिक नृत्य एवं नृत्य-नाटिकाओं की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन प्रस्तुतियों ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता, अनुशासन, संस्कार एवं भारतीय जीवन मूल्यों का प्रभावी संदेश दिया। विद्यालय के प्रबंधक श्री रवि मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर के समान सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। गुरु ही अपने ज्ञान, अनुभव एवं संस्कारों से शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण कर उसे समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है।
विद्यालय परिवार ने सभी अभिभावकों, पूर्व विद्यार्थियों, समाज के प्रबुद्ध नागरिकों एवं शिक्षा-प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक एवं मूल्यपरक आयोजनों में सहभागिता का आग्रह किया।

**गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः।**
**गुरुः साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः॥**

गुरु पूर्णिमा महोत्सव का यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा गुरु-भक्ति की अमूल्य परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं सफल पहल सिद्ध हुआ।

## सांदीपनि विद्यालय मऊ गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का हुआ समापन

**ब्यौहारी।** सांदीपनि विद्यालय मऊ में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया उल्लेखनीय की 15 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा विद्यालय में मनाया जा रहा था कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शरद कोल, विशिष्ट अतिथि के रूप में अर्चना मिश्रा एसडीम, आकांक्षी सिंह जनपद अध्यक्ष,, हरि शरण द्विवेदी, नरेंद्र शास्त्री, पुष्पेंद्र पटेल , शीला सिंह, सरपंच राजकुमारी खैरवार, ब्रह्मानंद श्रीवास्तव,मनोज केसरवानी, उपस्थित रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा की प्रथम गुरु माता होती है उसके बाद हर वह व्यक्ति जिससे हमको सीखने को मिलता है वह हमारा गुरु होता है, उपप्राचार्य रामचरित द्विवेदी द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व के बारे में बताया गया, विद्यालय के बारे में संक्षिप्त प्रतिवेदन रखते हुए प्राचार्य प्रेमलाल मिश्रा ने बताया कि यहां के विद्यार्थी जिला एवं राज्य स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं विद्यालय का परीक्षा परिणाम सभी कक्षाओं में सतप्रतिशत रहा है, पिछले सत्र में 1100 विद्यार्थी थे इस सत्र में 14 78 विद्यार्थी अध्यनरत है व्यवस्था के हिसाब से हमें 6 वर्षो की ओर अति आवश्यकता है , एक बड़ा प्रार्थना हाल नहीं है टीन सेड की व्यवस्था बहुत जरूरी है इन मांगों को क्षेत्र के विधायक के समक्ष रखा गया विधायक द्वारा इनको शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया कार्यक्रम का संचालन विजय कुमार निगम द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से, शशिकांत मिश्रा, राम चरण साकेत, राजीव मिश्रा, जितेंद्र त्रिपाठी, शिक्षक गण विद्यालय के समस्त स्टाफ, अभिभावक छात्राएं उपस्थित रहे।

## शासकीय महाविद्यालय में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

**ब्यौहारी।** शासकीय महाविद्यालय, ब्यौहारी में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती एवं गुरु पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर भारतीय गुरु-शिष्य परम्परा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गुरु के ज्ञान, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. डी. बी. मिश्रा ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के आदर्शों को आत्मसात कर चरित्रवान एवं उत्तरदायी नागरिक बनने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. के. तिवारी ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के समान पूजनीय माना गया है। कार्यक्रम में डॉ. आशीष द्विवेदी, प्रो. सुनील सिंह, डॉ मोतीलाल वर्मा,प्रो. शिवानी सिंह, डॉ उषा तिवारी, डॉ पूजा सिंह डॉ. विनय वर्मा, डॉ. विजय गौरव तथा डॉ. मनीष त्रिपाठी,श्री बंसबहादुर सिंह, श्रीमती पार्वती सोनी, अर्पिता बैस वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा गुरु वंदना, संस्कृत श्लोक, प्रेरक वक्तव्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

# गुस्साए कदम, टूटे सब्र के बांध: छात्रावास में पानी और बिजली नहीं मिली तो सड़कों पर उतरीं छात्राएं

**कलेक्टर से मिलने पैदल निकलीं कन्या शिक्षा परिसर की छात्राएं; रास्ते में रोकने की कोशिश हुई नाकाम, जिला पंचायत CEO ने सोलर पैनल लगवाने के दिए निर्देश**

**बुढ़ार ।** गुरुवार की सुबह नगर में उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय शासकीय कन्या शिक्षा परिसर छात्रावास की कक्षा 12वीं की लगभग 50 छात्राएं मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रशासनिक उपेक्षा से त्रस्त होकर सड़कों पर उतर आईं। पेयजल और बिजली जैसी दैनिक आवश्यकताओं के लिए तरस रही छात्राएं एकजुट होकर पैदल मार्च करते हुए सीधे कलेक्टर से मिलने के लिए निकल पड़ीं।
उल्लेखनीय है कि इस छात्रावास की कुल क्षमता 490 छात्राओं की है, लेकिन इसके बावजूद भी यहां लंबे समय से पानी और बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं की जा पा रही है।

**अधीक्षक की समझाइश रही बेअसर, छात्राएं बोलीं— 'सिर्फ कलेक्टर से करेंगे बात'**

जब पैदल मार्च कर रही छात्राओं को रास्ते में रोककर छात्रावास अधीक्षक श्रीमती रीता श्याम ने उनकी समस्याएं जानने की कोशिश की, तो छात्राओं ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि वे अपनी बात केवल कलेक्टर के समक्ष ही रखेंगी। किसी तरह समझा-बुझाकर छात्राओं के आक्रोश को शांत किया गया, लेकिन उन्होंने तब तक किसी को भी अपनी समस्याएं नहीं बताईं जब तक कि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुँच गए।

### जिला पंचायत सीईओ मौके पर पहुंचे, दिया आश्वासन

मामले की सूचना मिलते ही जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर शिवम प्रजापति तत्काल मौके पर पहुंचे। छात्राओं ने उन्हें अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया:"हमें न तो पीने के लिए साफ़ पानी मिल रहा है और न ही पढ़ाई के लिए बिजली। दैनिक क्रियाओं से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।"छात्राओं की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सीईओ ने तत्काल छात्रावास में समस्या के समाधान हेतु सोलर पैनल लाइट लगवाने के निर्देश जारी किए।

### रसायन शास्त्र के शिक्षक का भी मामला आया सामने

छात्राओं के इस आंदोलन के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक अव्यवस्था भी उजागर हुई।पिछला परिणामः गत वर्ष रसायन शास्त्र (Chemistry - वर्ग 1) के अतिथि शिक्षक ब्रजेश मिश्रा द्वारा पढ़ाए जाने के बाद परीक्षा परिणाम मात्र 25 प्रतिशत ही रहा था, जिसके कारण उन्हें पद से हटा दिया गया था।वर्तमान स्थितिः शिक्षक को हटाए जाने के बाद से आज तक विद्यालय में रसायन शास्त्र के किसी नए शिक्षक की पदस्थापना नहीं की गई है, जिससे छात्राओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है।
घटनास्थल पर जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद सिन्हा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिलीप निगम एवं अन्य संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

### इनका कहना

आदिवासी कन्या शिक्षा परिसर छात्रावास में पानी, बिजली की समस्या के निदान के लिए वर्तमान में सोलर पैनल लगाने के लिए निर्देशित किया गया है।
**आंनद सिन्हा**
**सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शहडोल**

# भलूमाड़ा थाना को मिली नई कमान राधिका भगत ने संभाला पदभार

### बोलीं महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा और अवैध कारोबार पर रहेगा विशेष फोकस

**भालूमाड़ा।** अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना में राधिका भगत ने गुरुवार को थाना प्रभारी (टीआई) के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए थाना प्रभारी राधिका भगत ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और आमजन का पुलिस पर विश्वास बढ़ाना है उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और ऐसे मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में यदि कहीं भी अवैध कारोबार संचालित हो रहे हैं तो उन पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जनहित एवं जागरूकता अभियानों को भी आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन योजनाओं और अभियानों का लाभ उठा सकें। राधिका भगत ने कहा कि थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत गंभीरता से सुनी जाएगी और उसे न्याय दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों पर कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि आम जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर भयमुक्त वातावरण तैयार करना भी है उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पूरी पुलिस टीम प्रतिबद्ध होकर कार्य करेगी। नई थाना प्रभारी के पदभार ग्रहण करने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, मंडल अध्यक्ष मिंटू सिंह, धीरेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, अजय यादव, रूपेश सिंह तथा पत्रकार संतोष चौरसिया, गुलाब रजक, राकेश मिश्रा और दिनेश केवट ने थाना पहुंचकर राधिका भगत से शिष्टाचार भेंट की। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए भालूमाड़ा क्षेत्र में बेहतर पुलिस व्यवस्था एवं जनसहयोग के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। क्षेत्रवासियों ने भी नई थाना प्रभारी के पदभार ग्रहण पर स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और जनसुनवाई व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

# हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय में कार्यक्रम संपन्न

**उमरिया।** उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत पी एम एक्सीलेंस कॉलेज रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ.अमित कुमार निगम ने कहा कि वर्तमान में छात्र-छात्राओं युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के तहत जागरूक करने की अति आवश्यक डाटा देखी जा रही है जिसमें आज आयुष्मान भारत उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस . चंदेल द्वारा स्वयं उपस्थित होकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति छात्र-छात्राओं को एवं उपस्थित स्टाफ को जागरूक किया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य सही होने पर ही शारीरिक स्वास्थ्य उचित होगा और तब ही शरीर में चेतना बनी रहेगी एवं हर व्यक्तिगत घर एवं समाज में रचनात्मक कार्य करने में सक्षम होगा । कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर विमल मरावी ,नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के जितेंद्र कुमार ,राष्ट्र किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला अस्पताल से परामर्शदाता पूजा पांडे एवं समस्त महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

*नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन*

# विद्यार्थियों ने रैली निकालकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

**हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद**

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्लीमनाबाद स्थित आदर्श विद्यापीठ हायर सेकेण्डरी स्कूल स्लीमनाबाद मे नशा मुक्त को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों के द्वारा स्कूल परिसर से ग्राम पड़वार तक रैली निकाली गईं। कार्यक्रम में खेल समन्वयक चेतना झा ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टॉप को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल समन्वयक चेतना झा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति की आदत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए संकट बन जाता है। नशे के कारण गंभीर बीमारियां जन्म लेती हैं, परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चे जागरूकता के सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं, क्योंकि उनकी बातों को परिवार में गंभीरता से सुना और माना जाता है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि समाज में व्यवहार परिवर्तन लाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों की बिक्री, भंडारण अथवा अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तत्काल प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्कूली विद्यार्थी नशे के दुष्परिणामों एवं नशे से दूर रहने का संदेश अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों तक पहुंचाकर इस अभियान के सशक्त दूत बनेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान निरंतर संचालित किया जाएगा!

### एकजुटता है आवश्यक

उन्होंने कहा कि "जब समाज एकजुट होकर नशे के खिलाफ खड़ा होगा, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य का निर्माण संभव हो सकेगा।इस दौरान प्रबंधक डॉ के एल हल्दकार, प्राचार्य पूजा शंकर पटेल, संतोष सोनी,नीलम हल्दकार, दीपिका यादव,वर्षा चौबे, सतीश कुशवाहा, शुभम मालिक सहित स्कूल स्टॉप ओर विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

## खबर संक्षेप

### नेटवर्क के लिए पेड़ पर चढ़ी एएनएम

**अनूपपुर।** मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले से डिजिटल व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने आई है। यहां एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) को मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलने पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के लिए पेड़ पर चढ़ना पड़ा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। बताया जा रहा है कि संबंधित एएनएम को विभागीय ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी थी, लेकिन क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। काफी प्रयास के बाद भी सिग्नल नहीं मिलने पर वह मजबूरन पेड़ पर चढ़ गई, जहां नेटवर्क मिलने के बाद उसने अपनी ऑनलाइन हाजिरी दर्ज की। इस दौरान मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है। यह घटना केवल एक कर्मचारी की परेशानी नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में डिजिटल सेवाओं की वास्तविक स्थिति को भी उजागर करती है। एक ओर सरकारी योजनाओं में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई दूरस्थ क्षेत्रों में आज भी मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी बड़ी चुनौती बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। कई बार शिकायतों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। ऐसे में सरकारी कर्मचारी, छात्र और आम नागरिक सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वायरल वीडियो के बाद अब यह मामला चर्चा का विषय बन गया है और लोग मांग कर रहे हैं कि संबंधित क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि किसी कर्मचारी को केवल ऑनलाइन हाजिरी लगाने के लिए पेड़ पर चढ़ने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

### गुरु पूर्णिमा पर शासकीय मॉडल स्कूल कोतमा में शिक्षकों का सम्मान

**कोतमा।** शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों को उनके शैक्षणिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र, श्रीफल एवं लेखनी भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए गुरु का मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनाकर जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने का आह्वान किया। शिक्षिका श्रीमती रजनी कुमारी एवं श्रीमती गीतू मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में भूतपूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री के सानिध्य में उज्जैन में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे सभी ने उत्साहपूर्वक देखा।

करोड़ों की प्रसाद योजना से विकसित पर्यटन स्थल में जर्जर व्यवस्थाएं

# सोनमुड़ा की बदहाली पर उठे सवाल

**कैंटीलीवर की सुरक्षा ग्रिल भी क्षतिग्रस्त**

**टूटी रेलिंग और उखड़ी टाइल्स से हादसे का खतरा**

**अमरकंटक।** मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक अपनी धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन महत्व के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है, लेकिन इसी पावन नगरी का प्रमुख पर्यटन स्थल सोनमुड़ा इन दिनों बदहाल व्यवस्थाओं और जर्जर होती सुविधाओं के कारण सवालों के घेरे में है। करोड़ों रुपए की लागत से प्रसाद योजना के अंतर्गत विकसित किए गए इस स्थल पर जगह-जगह टूट-फूट और रखरखाव के अभाव ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ-साथ जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सोनमुड़ा की सीढ़ियों के दोनों ओर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग कई स्थानों पर टूटकर जमीन पर पड़ी हुई है, जबकि कुछ हिस्सों से रेलिंग पूरी तरह गायब हो चुकी है। ऐसे में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में सीढ़ियों पर फिसलन बढ़ जाने के कारण रेलिंग का न होना हादसे की आशंका को और बढ़ा रहा है।

### श्रद्धालुओं ने तत्काल मरम्मत के साथ तकनीकी जांच की उठाई मांग

#### सीढ़ियों की टाइल्स उखड़ी, बढ़ा फिसलने का खतरा

सोनमुड़ा की सीढ़ियों पर कई जगह टाइल्स उखड़कर बिखर चुकी हैं। टूटे और असमतल हिस्सों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति अधिक जोखिमपूर्ण मानी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बारिश के बीच यदि तत्काल मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी दिन गंभीर हादसा हो सकता है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सोनमुड़ा में बनाए गए कैंटीलीवर दर्शक मंच की सुरक्षा व्यवस्था भी चिंता का विषय बनी हुई है। इसके आसपास लगी स्टील की सुरक्षा ग्रिल कई स्थानों पर उखड़ चुकी है और क्षतिग्रस्त अवस्था में दिखाई दे रही है। जिस स्थान से पर्यटक प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते हैं, वहीं सुरक्षा ग्रिल की ऐसी स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

#### नाइट लाइट व्यवस्था भी बदहाल

सोनमुड़ा परिसर के सौंदर्यीकरण और रात्रिकालीन आकर्षण को बढ़ाने के लिए लगाई गई नाइट लाइट व्यवस्था भी लंबे समय से बदहाल बताई जा रही है। कई स्थानों पर प्रकाश खंभे उखड़कर इधर-उधर पड़े हैं। प्रकाश व्यवस्था खराब होने के कारण शाम ढलते ही परिसर के कई हिस्सों में अंधेरा छा जाता है। इससे पर्यटकों की आवाजाही के दौरान परेशानी के साथ सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब सोनमुड़ा जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल को करोड़ों रुपए की लागत से प्रसाद योजना के तहत विकसित किया गया था, तो इतनी जल्दी रेलिंग, टाइल्स, सुरक्षा ग्रिल और प्रकाश व्यवस्था जर्जर कैसे हो गई? लोगों का कहना है कि यदि निर्माण के दौरान गुणवत्तापूर्ण सामग्री का इस्तेमाल किया गया था और समय-समय पर रखरखाव किया जाता रहा, तो वर्तमान जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए थी।

#### श्रद्धालुओं ने उठाई तकनीकी जांच की मांग

सोनमुड़ा की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं में नाराजगी है। उनका कहना है कि अमरकंटक आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सोनमुड़ा प्रमुख आकर्षण है। ऐसे में यहां की व्यवस्थाओं को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही अमरकंटक की पर्यटन छवि को नुकसान पहुंचा सकती है। लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से सोनमुड़ा का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही टूटी रेलिंग, उखड़ी टाइल्स, क्षतिग्रस्त सुरक्षा ग्रिल और बंद पड़ी नाइट लाइट व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की गई है। इसके अलावा प्रसाद योजना के तहत कराए गए निर्माण कार्यों की तकनीकी गुणवत्ता की जांच कराने की भी मांग उठी है। नागरिकों का कहना है कि जांच में यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी, तकनीकी खामी, मानकों की अनदेखी अथवा रखरखाव में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

#### समय रहते नहीं जागा प्रशासन तो हो सकता है बड़ा हादसा

सोनमुड़ा की वर्तमान स्थिति केवल सौंदर्यीकरण से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। टूटी रेलिंग और सुरक्षा ग्रिल के साथ उखड़ी टाइल्स बारिश के मौसम में गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। ऐसे में किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को तत्काल मौके का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य शुरू कराने की जरूरत है। अमरकंटक की धार्मिक और पर्यटन पहचान को देखते हुए सोनमुड़ा जैसे महत्वपूर्ण स्थल की सुरक्षा और संरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। अब देखना यह है कि करोड़ों रुपए की योजना से विकसित इस पर्यटन स्थल की बदहाली पर प्रशासन कब संज्ञान लेता है और कब तक यहां व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाता है।

# एक साल से लापता बेटे की तलाश में दर-दर भटक रही मां, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

#### पति पर 15 वर्षीय बेटे को नागपुर ले जाकर जानकारी छिपाने का आरोप

#### बड़े बेटे ने भी कहा, दो माह से नहीं है कोई संपर्क, मां ने अनहोनी की जताई आशंका

**अनूपपुर।** जिले के अमरकंटक थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहपुर निवासी एक मां अपने 15 वर्षीय बेटे की तलाश में पिछले एक वर्ष से दर-दर भटकने को मजबूर है। आखिरकार गुरुवार को पीड़िता जनकबाई ने पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को लिखित आवेदन सौंपकर अपने पुत्र गुलमोहर चंद्रवंशी की तलाश कराने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में महिला ने अपने पति सूरज महरा पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि वह बेटे को पढ़ाई के नाम पर नागपुर ले गया, लेकिन उसके बाद से आज तक बच्चे की कोई जानकारी नहीं दी गई। आवेदन के अनुसार, जनकबाई ग्राम बहपुर की निवासी हैं। उनके पति सूरज महरा महाराष्ट्र के नागपुर में एक जूस फैक्ट्री में काम करते हैं। करीब एक वर्ष पहले जुलाई माह में सूरज महरा अपने 15 वर्षीय पुत्र गुलमोहर को पढ़ाई कराने का हवाला देकर अपने साथ नागपुर ले गए थे। इससे पहले वह बड़े बेटे प्रफुल्ल महरा को भी नागपुर ले गए थे, जो बाद में अलग रहने लगा। जनकबाई ने शिकायत में बताया कि बेटे के नागपुर जाने के बाद उन्होंने कई बार अपने पति से फोन पर बेटे का हालचाल जानने का प्रयास किया, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया गया। आरोप है कि न तो बेटे से कभी बात कराई गई और न ही उसे अपनी मां से संपर्क करने दिया गया। समय बीतने के साथ महिला की चिंता लगातार बढ़ती गई, लेकिन पति की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। शिकायत में उल्लेख है कि जब जनकबाई ने अपने बड़े बेटे प्रफुल्ल महरा से संपर्क कर छोटे भाई के बारे में जानकारी मांगी, तब उसे भी यह जानकारी नहीं थी कि गुलमोहर पिछले एक वर्ष से नागपुर में है। बाद में प्रफुल्ल ने अपने परिचितों से जानकारी जुटाई तो बताया कि पिछले करीब दो माह से गुलमोहर का भी कोई पता नहीं चल रहा है। इतना ही नहीं, सूरज महरा द्वारा किसी भी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने की जानकारी भी सामने नहीं आई। जनकबाई ने आवेदन में कहा है कि बेटे के संबंध में लगातार जानकारी छिपाई जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि उनके पति नागपुर में दूसरी महिला के साथ रह रहे हैं। महिला का कहना है कि बेटे के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिलने और लगातार जवाब टालने से उन्हें किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। इसी कारण उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, बेटे गुलमोहर का पता लगाया जाए और यदि वह सुरक्षित है तो उसे उसकी मां से मिलवाया जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि आखिर इतने लंबे समय तक बच्चे की जानकारी परिवार से क्यों छिपाई गई। हालांकि, यह पूरा मामला जनकबाई द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायत आवेदन पर आधारित है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

# अनूपपुर को मिला नया प्रशासक, आईएएस रत्नाकर झा ने कलेक्टर का पदभार संभाला

#### 2012 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों का लंबा अनुभव

#### जिले के विकास को मिलेगी नई दिशा

**अनूपपुर।** अनूपपुर जिले को बुधवार को नया प्रशासनिक नेतृत्व मिल गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2012 बैच के अधिकारी रत्नाकर झा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर अनूपपुर के कलेक्टर के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने जिले के प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली तथा अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर विभिन्न विभागों की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। श्री रत्नाकर झा अनुभवी और कुशल प्रशासनिक अधिकारी माने जाते हैं। अनूपपुर में उनकी पदस्थापना को जिले के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर रत्नाकर झा इससे पूर्व अपर आयुक्त (राजस्व), उज्जैन के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने अपने प्रशासनिक जीवन में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। वे डिंडोरी जिले के कलेक्टर भी रह चुके हैं, जहां उनके कार्यों की सराहना की गई थी। इसके अलावा उन्होंने मध्यप्रदेश शासन के श्रम विभाग में उप सचिव तथा लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। राजस्व, प्रशासन, श्रम और शासन के विभिन्न विभागों में कार्य करने का उनका व्यापक अनुभव अनूपपुर जिले के लिए उपयोगी साबित होने की उम्मीद जताई जा रही है। अनूपपुर जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिला है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, रोजगार और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसी अनेक चुनौतियां हैं। ऐसे में अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी के रूप में रत्नाकर झा से अपेक्षा की जा रही है कि वे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ-साथ विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे। नवागत कलेक्टर के पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों में नई उम्मीद जगी है। लोगों को विश्वास है कि प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान, पारदर्शी कार्यप्रणाली और विकास कार्यों की सतत निगरानी को प्राथमिकता देगा। जिलेवासियों ने नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा का स्वागत करते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की है।

# हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा अमरकंटक

#### बोल बम कांवरियों की पावन दस्तक श्रावण मास के शुभारंभ पर मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर जालेश्वर महादेव रतनपुर और भोरमदेव के लिए रवाना होंगे शिवभक्त

**अमरकंटक।** मां नर्मदा के उद्गम की पावन नगरी अमरकंटक में श्रावण मास के आगमन के साथ ही वातावरण पूरी तरह शिवमय होने लगा है। चारों ओर गूंजते 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष से धार्मिक नगरी की फिजा भक्तिमय हो उठी है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से कांवरियों के जत्थे अमरकंटक पहुंचने लगे हैं। कांवरियों की पावन दस्तक के साथ ही नगर में सावन की आध्यात्मिक छटा बिखरने लगी है। श्रावण मास में मां नर्मदा के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर विभिन्न शिवधामों में जलाभिषेक करने की परंपरा के चलते अमरकंटक में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। भगवान जालेश्वर महादेव के साथ ही छत्तीसगढ़ के रतनपुर और प्रसिद्ध भोरमदेव महादेव मंदिर में जल चढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में शिवभक्त यहां पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु मां नर्मदा के पवित्र जल को अपनी कांवर में भरकर पैदल यात्रा करते हुए निर्धारित शिवधामों तक पहुंचेंगे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

#### 120 कांवरियों का जत्था पहुंचा अमरकंटक

श्रावण मास के प्रथम चरण में ही छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार-भाटापारा जिले के ग्राम कोदवा से करीब 120 श्रद्धालुओं का कांवरिया दल अमरकंटक पहुंचा। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे शिवभक्तों ने नगर में प्रवेश के साथ ही बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अमरकंटक पहुंचने के बाद कांवरियों ने सबसे पहले मां नर्मदा उद्गम मंदिर, रामघाट सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा की सफलता और भगवान शिव के जलाभिषेक का संकल्प लिया। कांवरियों का यह दल फिलहाल अमरकंटक स्थित रामभाई धर्मशाला में ठहरा हुआ है, जहां उनके विश्राम और सेवा की व्यवस्था की गई है।

#### नर्मदा जल लेकर जालेश्वर के लिए होंगे रवाना

सावन के प्रथम सोमवार की पावन बेला में कांवरिए मां नर्मदा का पवित्र जल कांवर में भरकर भगवान जालेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना होंगे। कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालु पैदल दूरी तय करते हुए बोल बम और हर-हर महादेव का जयघोष करेंगे। कठिन यात्रा के बावजूद शिवभक्तों में उत्साह और आस्था देखते ही बनती है। कांवरियों का कहना है कि मां नर्मदा के उद्गम स्थल से जल लेकर भगवान शिव को अर्पित करना उनके लिए केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था और साधना का पर्व है। इसी भावना के साथ वे हर वर्ष अमरकंटक पहुंचते हैं और मां नर्मदा के पवित्र जल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

#### हजारों कांवरियों के पहुंचने की संभावना

30 जुलाई गुरुवार से प्रारंभ हो रहे पवित्र श्रावण मास के दौरान अमरकंटक में देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं और कांवरियों के पहुंचने की संभावना है। पूरे एक माह तक मां नर्मदा उद्गम मंदिर, रामघाट, कोटितीर्थ, जालेश्वर महादेव सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला चलेगा। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को अमरकंटक में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिलता है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पहुंचकर दर्शन-पूजन करते हैं और पवित्र जल लेकर अपने-अपने क्षेत्र के शिवालयों की ओर रवाना होते हैं। इससे अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों में पूरे सावन माह धार्मिक पर्यटन और श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है।

#### नर्मदा जल से शिवाभिषेक की विशेष मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां नर्मदा के उद्गम स्थल से प्राप्त पवित्र जल भगवान शिव को अर्पित करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। इसी आस्था के चलते प्रत्येक वर्ष सावन में बड़ी संख्या में शिवभक्त अमरकंटक पहुंचते हैं। श्रद्धालु नर्मदा जल को कांवर में भरकर कठिन पैदल यात्रा करते हैं और जालेश्वर महादेव, रतनपुर, भोरमदेव सहित विभिन्न शिवधामों में पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। अमरकंटक में कांवरियों के पहुंचने के साथ ही नगर की धार्मिक रौनक बढ़ गई है। जगह-जगह 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष सुनाई दे रहे हैं। आने वाले दिनों में कांवरियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है।